एशियन गेम्स 2026 : 310 नए चेहरे देंगे चुनौती, 17 खिलाड़ी और पांच टीमें फिर स्वर्ण पर साधेंगी निशाना

नई दिल्ली

एशियन गेम्स में इस बार भारतीय चुनौती नए और युवा चेहरों पर है। भारतीय दल में 310 ऐसे नए खिलाड़ी हैं जो पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन निगाहें पुराने चेहरों पर रहेंगी। भारतीय दल में 17 खिलाड़ी और पांच टीमें ऐसी हैं जो एशियाई खेलों में अपने पिछले स्वर्णिम प्रदर्शन की छाप जापान में फिर से छोड़ने के लिए उतर रहे हैं।

501 भारतीय खिलाड़ी जापान में उतरेंगे। 36 खेलों के 259 इवेंट में भारत करेगा शिरकत। 356 पदकों की इवेंट में भारत पेश करेगा चुनौती। 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में 36 खेलों में उतरेंगे।

मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक बने शाटपुटर तजिंदर पाल सिंह तूर लगातार तीसरे एशियाड स्वर्ण के लिए जोर लगाएंगे। वहीं, पिछले एशियाड की तीन स्वर्ण विजेता कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने व लगातार चौथे एशियाड में पदक जीतने उतरेंगी। 2014 और 2018 के एशियाड में चार गुणा 400 मीटर रिले और 400 मीटर में स्वर्ण जीत चुकीं एथलीट एमआर पूवम्मा से इस बार भी रिले में देश के लिए स्वर्णिम पदक की आशा है।

एथलेटिक्स-शूटिंग से उम्मीद - भारत ने पिछले एशियाड में 28 स्वर्ण समेत कुल 106 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया था। इस प्रदर्शन में शूटिंग और एथलेटिक्स ने अहम भूमिका निभाई थी।

एथलेटिक्स में छह स्वर्ण समेत 29 पदक और शूटिंग में सात स्वर्ण समेत 22 पदक मिले थे। इस बार भी भारतीय दल की 100 से अधिक पदक जीतने की कोशिश है, जिसमें इन दोनों खेलों का अहम योगदान रहेगा।

तूर पर तीसरे स्वर्ण का मौका - घुड़सवार हृदय छेड़ा, स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने हांगझोउ एशियाड में टीम स्वर्ण जीते। हृदय इस बार ड्रेसाज व अभय स्क्वैश की टीम व निजी स्पर्धा में भाग लेंगे। तूर 2018 और 2023 में स्वर्ण जीत चुके हैं। सत्र में 21.03 मीचर गोला फेंक चुके तूर यह प्रदर्शन दोहराते हैं तो तीसरा स्वर्ण जीत सकते हैं। पिछली बार 5000 मीटर का स्वर्ण व 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीतने वालीं पारुल इस बार इनके अलावा 1500 मीटर में भी उतरेंगी।

ऐश्वर्य, ईशा पर बड़ा जिम्मा - 2023 में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीतने वाले शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर श्री पोजीशन में, जबकि एक स्वर्ण व तीन रजत जीतने वाली ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल में शिरकत करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

कोलंबिया ने मैक्सिको, पराग्वे और पेरु के खिलाफ होने वाले मैत्री फुटबाल मैचों के लिए नये खिलाड़ियों को शामिल किया

कोलंबिया। कोलंबिया ने इस माह के अंत में मैक्सिको, पराग्वे और पेरु के खिलाफ अमेरिका में होने वाले मैत्री फुटबाल मैचों के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में एक बड़ा बदलाव करते हुए सभी नये खिलाड़ियों को शामिल है। लिवरपूल के स्टार विंगर लुइस डियाज को भी टीम में जगह नहीं दी है। टीम में 11 ऐसे खिलाड़ियों को अवसर मिला है जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। टीम में पूर्व कप्तान जेम्स रोड्रिगेज तक को जगह नहीं मिली है। रोड्रिगेज ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया था। नए खिलाड़ियों में बर्मिंघम सिटी के मिडफील्डर जान सोलिस और जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग के डिफेंडर केविन एंड्रेड शामिल हैं। इनके अलावा, गोलकीपर एल्डेयर क्विंटाना, डिफेंडर रोजर कैसेडो, मिडफील्डर डेनियल आर्किला और फारवर्ड कैमिलो डुरान को भी टीम में जगह मिली है। मैनेजर नेस्टर लोरेंजो ने स्थानीय क्लब एटलेटिको नेशनल से लेफ्ट-बैक सैमुअल वेलास्केज और मिडफील्डर जुआन मैनुअल रेंगिफो को भी टीम में शमिल किया है। बोगोटा में टीम घोषणा के दौरान मैनेजर नेस्टर लोरेंजो ने अपनी चयन नीति को लेकर कहा, कोई भी खिलाड़ी हमेशा टीम में नहीं रहता और न ही हमेशा बाहर रहता है। चाहे वे युवा हों या अनुभवी, इस प्रक्रिया का हिस्सा रहे सभी लोग जानते हैं कि उन्हें अपनी जगह बनाने के लिए मुकाबला करना होगा, और कोई भी टीम में आ सकता है या बाहर हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लुइस डियाज के मामले में, आपसी सहमति से उन्हें इस समय आराम देने का निर्णय लिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए एनगिडी की जगह नाकोबानी को शामिल किया

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने 24 सितंबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की जगह पर नाकोबानी मोकोएना को शामिल किया है। वहीं इससे पहले एनगिडी चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये। ऐसे में खिलाड़ियों की खराब फिटने से परेशान दक्षिण अफ्रीकी टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। एनगिडी को यह चोट पिछले सप्ताह टाइटन्स और डाल्फ़िन्सि के बीच खेले गए घरेलू प्रथम श्रेणी मैच के दौरान लगी थी। तब उनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया, जिसकी पुष्टि गत दिवस हुए स्कैन से हुई। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें पूरी तरह से ठीक होने के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता होगी, जिसके चलते वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक समय छाये रहे थे 235 किलो के रेसलर आंद्रे जायंट

सेन डियागो। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) की दुनिया अपने विशालकाय रेसलर्स और अतरंगी कहानियों के लिए जानी जाती है। डब्ल्यूडब्ल्यूई हमेशा से अपने प्रशंसकों के लिए कुछ न कुछ नया पेश करता रहा है, इसमें अजीब किरदार वाले रेसलर भी आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई के एक ऐसे ही एक अकल्पनीय रेसलर थे आंद्रे द जायंट, जो करीब 7 फीट से अधिक लंबे और लगभग 235 किलो वजनी थे। जब रिंग में उतरते थे, तो सामान्य कद-काठी के रेसलर उनके सामने बच्चे प्रतीत होते थे। उनका जीवन कई अविश्वसनीय किस्सों से भरा है। वह अपने करियर में शुरुआत 15 साल में कभी कोई मुकाबला नहीं हारे। आंद्रे का जन्म फ्रांस के ग्रेनोबल में आंद्रे रेने रुसिमाफ के नाम से हुआ था। उनके परिवार के अन्य सदस्य सामान्य थे, लेकिन आंद्रे का शरीर बचपन से ही असामान्य रूप से बढ़ता चला गया। उनकी इस असाधारण लंबाई और भारी-भरकम शरीर का कारण एक्रोमेगाली नामक एक दुर्लभ बीमारी थी, जिसमें शरीर का विकास हार्मोन अत्यधिक मात्रा में उत्पन्न होता है। बड़े होने पर उनका कद 7 फीट 4 इंच और वजन 235 किलो तक पहुंच गया, जिसके चलते उन्हें बचपन से ही सामान्य जीवन जीने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। ऐसे में डब्ल्यूडब्ल्यूई ने आंद्रे को एक नई पहचान दी। इसमें बड़ी कद काठी वाले रेसलरों की खूब मांग थी, और कंपनी के मालिक विंस मैकमोहन ने आंद्रे की क्षमता को पहचाना।

डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन में खलिन एच. जोशी बने विजेता, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

गोल्फ के ग्लोबल मैप पर उभर रहा नवा रायपुर, विश्वस्तरीय सुविधाएं बन रहीं पहचान : अरुण साव

रायपुर

खलिन जोशी ने बोगी-मुक्त तीन-अंडर 31 का स्कोर बनाकर छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजार्ट में एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाला पहला एसईसीएल प्रेजेंट्स नवा रायपुर ओपन 2026 एक शाट के अंतर से जीत लिया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एक शाट की बढ़त के साथ अंतिम राउंड में उतरे बेंगलुरु के 34 वर्षीय जोशी (29-30-33-31) ने नौ होल के अपने राउंड में तीसरे से पांचवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाईं। उन्होंने 13-अंडर 123 के कुल स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया । अप्रैल में आंध्र ओपन और अगस्त में जम्मू-कश्मीर ओपन जीतने वाले जोशी का यह सत्र का तीसरा और डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर कुल नौवाँ खिताब रहा।

डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट-2026 के पुरस्कार वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि नवा रायपुर का वर्ल्ड क्लास फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब छत्तीसगढ़ में गोल्फ के बढ़ते आकर्षण और विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं की पहचान बन रहा है। श्री साव ने प्रतियोगिता के विजेता खलिन एच. जोशी सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश में इस तरह के बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों का आयोजन यहां की खेल संभावनाओं को नई दिशा देता है। ऐसे आयोजन छत्तीसगढ़ की गोल्फ प्रतिभाओं के लिए बड़े मंच का काम करते हैं। देश-दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों की मौजूदगी में होने वाली प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की प्रेरणा मिलती है। श्री साव ने डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन के सफल आयोजन के लिए पीजीटीआई अध्यक्ष श्री कपिल देव और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख खेल आयोजनों के मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने के ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विस्तार कर खिलाड़ियों के लिए ऐसे अवसर तैयार किए जाएंगे, जहां वे अपनी प्रतिभा को निखारकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर सकें।

चौहान, कुकर और पटेल संयुक्त उपविजेता

महू के ओम प्रकाश चौहान ने अंतिम दौर में पांच-अंडर 29 का स्कोर किया। उनके दौर में पार-5 चौथे होल पर ईगल के साथ तीन बर्डी शामिल थीं। चौहान कुल 12-अंडर 124 के स्कोर के साथ संयुक्त उपविजेता रहे। पंचकुला के रौनिल कुकर और अहमदाबाद के अंशुल पटेल भी 12-अंडर 124 के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। तीनों खिलाड़ियों को 6,99,867 रुपये की पुरस्कार राशि मिली। चौहान ने रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में अपना आठवां स्थान मजबूत किया। कुकर 8,93,660 रुपये की कमाई के साथ आर्डर आफ मेरिट में 102वें से 54वें स्थान पर पहुंचे, जबकि पटेल 10,24,442 रुपये की कमाई के साथ 84वें से 47वें स्थान पर पहुंच गए। दोनों ने शीर्ष 60 में जगह बनाकर अगले सत्र के लिए अपना खेलने का अधिकार सुरक्षित कर लिया। कोलकाता के दिव्यांशु बजाज, दिल्ली के प्रितिश सिंह करायत और चंडीगढ़ के अंगद चीमा 11-अंडर 125 के स्कोर के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे।

आत्मविश्वास को बताया सफलता की वजह

मौजूदा सत्र में अपनी तीन जीत के बारे में जोशी ने कहा कि उनके खेल में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वह वर्तमान पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि पेशेवर गोल्फ में 14 सत्र पूरे करने के दौरान उनकी मानसिकता में बड़ा बदलाव नहीं आया है, लेकिन अब वह अधिक आत्मविश्वासी खिलाड़ी बन गए हैं। जोशी अब अपने बचपन के घरेलू कोर्स कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन में अगला टूर्नामेंट खेलेंगे। उन्होंने बताया कि वह सात सप्ताह से घर नहीं गए हैं और बेंगलुरु लौटने को लेकर उत्साहित हैं। वह चार वर्ष की उम्र से केजीए से जुड़े हैं। अगले सप्ताह उनकी गर्लफ्रेंड उनकी कैडी की भूमिका निभाएंगी। नवा रायपुर ओपन की जीत से जोशी की दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप से पहले स्थिति मजबूत हुई है।

श्रीकांत बोले, वैभव बनेगा क्रिकेट का अगला स्टार, तीनों ही प्रारुपों में छाने का है दम

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह विश्व क्रिकेट का अगला बड़ा स्टार बनेगा। श्रीकांत के अनुसार वैभव में तीनों प्रारुपों में शानदार प्रदर्शन करने का दम है और वे आगे चलकर इस खेल पर राज करेंगे।

महज 15 साल की उम्र में, सूर्यवंशी ने अपने असाधारण कौशल और रिकार्ड-तोड़ प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। श्रीकांत ने सूर्यवंशी के अब तक के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अगर उन्हें सही तरीके से तैयार किया जाए तो वह विश्व क्रिकेट के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने युवा प्रतिभा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, वह बहुत शानदार खेल रहा है। उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए, कभी भी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए।

अगर उसे सही ढंग से तैयार किया जाए, तो वह भविष्य का सुपरस्टार बनेगा। वह टेस्ट क्रिकेट को उसका खोया हुआ गौरव वापस दिलाएगा। उसी की वजह से सबने दिलीप ट्राफी देखी। आगे चलकर वह वर्ल्ड क्रिकेट के लिए एक बहुत बड़ी संपत्ति साबित होगा।

श्रीकांत ने विश्वास व्यक्त किया कि सूर्यवंशी उच्चतम स्तर पर भी सफल होंगे। उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी में खेल के सभी प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की काबिलियत है और उन्होंने विशेष रूप से लाल-गेंद क्रिकेट में गेंदबाजों के खिलाफ उनके निडर स्ट्रोक-प्ले की सराहना की।

श्रीकांत का यह समर्थन निश्चित रूप से वैभव सूर्यवंशी के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा, क्योंकि क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक इस युवा प्रतिभा के भविष्य पर करीब से नज़र रख रहे हैं। हाल ही में, वैभव सूर्यवंशी ने दिलीप ट्राफी के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा। उन्होंने 15 साल और 157 दिन की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकार्ड बनाया, जिसने 57 साल पुराने एक प्रतिष्ठित रिकार्ड को तोड़ दिया। यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा और परिपक्वता का प्रमाण है, जो इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

एशियन गेम्स में बड़ी चूक

आइची । जापान में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में आयोजकों से बड़ी चूक हो गई। पुरुष हाकी के दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश के मैच से पहले दक्षिण कोरिया की जगह उत्तर कोरिया का राष्ट्रगान बजा दिया गया। यह घटना गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में हुई, जो नागोया से करीब 30 किलोमीटर दूर है। राष्ट्रगान बजते ही दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी हैरान नजर आए। कुछ खिलाड़ियों ने अपने सिर पर हाथ रखकर प्रतिक्रिया दी। बाद में आयोजकों ने गलती को सुधारा और बांग्लादेश के राष्ट्रगान के बाद दक्षिण कोरिया का सही राष्ट्रगान बजाया। दक्षिण कोरिया ने दर्ज कराई शिकायत इस गलती के बाद मैच में भी देरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रगान पूरा होने से पहले ही रेफरी ने खिलाड़ियों को हाथ मिलाने और मैच के लिए तैयार होने का निर्देश दे दिया था। दक्षिण कोरिया की कोरियन स्पोर्ट्स एंड ओलंपिक कमेटी ने इस मामले में आयोजन समिति के सामने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। समिति ने आयोजकों से आधिकारिक माफी मांगने और ऐसी गलती दोबारा नहीं होने की मांग की।

एशियन गेम्स में बदइंतजामी : कमरों के लिए 14 घंटे करना पड़ा इंतजार, जमीन पर सोए एथलीट; 35 भारतीय भी परेशान

नागोया

जापान में शुरू हो रहे एशियाई खेलों से पहले ही बदइंतजामी ने आयोजकों की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खर्च बचाने के लिए इस बार एथलीट विलेज नहीं बनाया गया है। खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था क्रूज शिप, कंटेनरनुमा अस्थायी कमरों और होटलों में की गई है। लेकिन कमरों के आवंटन से लेकर भोजन और परिवहन तक अव्यवस्था की शिकायतें सामने आ रही हैं। भारत समेत कई देशों के खिलाड़ियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ खिलाड़ियों को कमरे नहीं मिलने पर जमीन पर सोकर रात गुजारनी पड़ी।

14 घंटे तक कमरे का इंतजार

भारतीय रोइंग टीम को नागोया पहुंचने के बाद क्रूज शिप पर कमरे के लिए करीब 14 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। कुछ खिलाड़ियों को देर रात कमरा मिला, लेकिन उन्हें कमरा आपस में साझा करने के लिए कहा गया। खिलाड़ियों को पानी तो उपलब्ध कराया गया, लेकिन खाना नहीं मिला। ऐसे में कई खिलाड़ियों ने भारत से साथ लाया खाना खाकर अपनी भूख मिटाई।

दूसरे देशों के खिलाड़ी भी परेशान

कमरों की कमी और आवास की अव्यवस्था का असर सिर्फ भारतीय दल तक सीमित नहीं रहा। वियतनाम, चीन, कोरिया और थाईलैंड के कई खिलाड़ियों को भी उचित अस्थायी व्यवस्था नहीं मिलने के कारण फर्श पर सोकर रात गुजारनी पड़ी।

भारत ने मदद के लिए बनाया नेटवर्क

खिलाड़ियों की आवास संबंधी परेशानियों को देखते हुए खेल मंत्रालय ने नागोया में रह रहे करीब 2,000 भारतीयों का नेटवर्क तैयार किया है। खिलाड़ियों की सहायता के लिए एयरपोर्ट पर दो प्रतिनिधियों को तैनात किया गया है। वहीं, आवास से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए तीन अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

35 भारतीय खिलाड़ियों को हुई परेशानी

भारत के करीब 35 खिलाड़ियों को आवास संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ा है। उनके लिए होटलों में 18 अतिरिक्त कमरे बुक किए गए हैं। इसके अलावा 10 और कमरे लेने की योजना है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलना चाहते हैं हारिस राउफ

लाहौर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने कहा है कि वह अवसर मिलने पर श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। रऊफ के इस बयान से सभी हैरान हैं क्योंकि एक समय उन्होंने टेस्ट प्रारुप खेलने से इंकार तक कर दिया था। वहीं अब वह इस प्रारुप में वापसी करना चाहते हैं।

इसका कारण राष्ट्रीय टीम में सीमित ओवरों के क्रिकेट में घटते अवसरों और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की नई कठोर नीति को माना जा रहा है। इससे ये गेंदबाज अब लंबे प्रारुप में भी खेलने को तैयार है। इस कारण अब वह घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। उनका पहला लक्ष्य नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में जगह बनाना है।

बोले, लंबे प्रारूप को लेकर बदल गया है नजरिया

अभी रऊफ पाकिस्तान में खेली जा रही प्रेसिडेंट्स ट्राफी में पाकिस्तान टेलीविजन की ओर से सक्रिय हैं। इस टूर्नामेंट में हाल ही में उन्होंने आयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पांच महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। भले ही वह मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ पर रऊफ का यह प्रभावशाली स्पैल चयनकर्ताओं की नजरों में आने के लिए काफी अहम माना जा रहा है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, रऊफ का स्पष्ट इरादा है कि प्रेसिडेंट्स ट्राफी में उनका प्रदर्शन चयनकर्ताओं का ध्यान खींचे।

यह बदलाव कई मायनों में आश्चर्यजनक है, क्योंकि कुछ साल पहले तक रऊफ का टेस्ट क्रिकेट को लेकर बिल्कुल अलग रुख था। पाकिस्तान में लगातार मांग उठने के बावजूद कि वह लंबे प्रारूप में देश का प्रतिनिधित्व करें, वे इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए उत्सुक नहीं दिखे। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई साल बिताने के बावजूद, उन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है, जो लगभग चार साल पहले हुआ था। हाल के महीनों में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ उनके संबंध भी बहुत सहज नहीं रहे हैं, और वह मुख्य रूप से एकदिवसीय क्रिकेट तक ही सीमित रहे हैं, उनका आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच लगभग एक साल पहले भारत के खिलाफ एशिया कप फाइनल में था।

अब रऊफ ने खुद यह बात स्वीकार की है कि उन्होंने लंबे प्रारूप को लेकर अपना नजरिया बदला है। उनका मानना है कि पाकिस्तान को तेज गेंदबाजों की सख्त जरूरत है और प्रेसिडेंट्स ट्राफी में उनके पास अभी खुद को साबित करने के लिए कई मुकाबले बाकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले सीजन में चार दिवसीय क्रिकेट खेली थी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले भी दूसरे स्तर की घरेलू क्रिकेट में समय बिताया था, जिसे वे खुद को एक बेहतर गेंदबाज बनाने का अच्छा तरीका मानते हैं। रऊफ के इस बदलाव में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की हालिया सख्ती का भी महत्वपूर्ण योगदान है। बोर्ड ने राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना अनिवार्य कर दिया है, ऐसा न करने पर खिलाड़ियों को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसी नीति के बीच, कई प्रमुख पाकिस्तानी खिलाड़ियों का घरेलू क्रिकेट की ओर लौटना देखा गया है, जिसमें तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में लाल गेंद के खेल को प्राथमिकता देने की बात कही है। हालांकि, हारिस रऊफ के लिए श्रीलंका सीरीज में जगह बनाना आसान नहीं होगा। उन्हें प्रेसिडेंट्स ट्राफी के शेष मुकाबलों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, अपनी फिटनेस और लंबे प्रारूप की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता साबित करनी होगी।